

नी में नाल श्याम दे लाईयां अखियाँ रस भरीआं

नी में नाल श्याम दे लाईयां, अखियाँ रस भरीआं

किसे ने लाईआं भरी जवानी,
किसे ने लाईआं विच बुढ़ापे
नी में बचपन दे विच लाईआं, अखियाँ रस भरीआं...

किसे ने लाईआं जग तो चोरी,
किसे ने लाईआं माँ पेयां चोरी,
नी में शरेआम ही लाईआं, अखियाँ रस भरीआं...

किसे ने लाईआं भगवा पा के,
किसे ने लाईआं मुंदरा पा के,
नी में सत्संग दे विच लाईआं, अखियाँ रस भरीआं...

माँपे दुश्मन, सोहरे वैरी,
गल्लां करदे वारो वारि,
नी ओह नित्त उठ दें बुराईआं, अखियाँ रस भरीआं...

किसे ने ला के झूठ बोलिया,
किसे ने ना दिल दा भेत खोलिए,
नी में आपे ही देवां दुहाईआं, अखियाँ रस भरीआं...

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/739/title/ni-main-naal-shayam-de-laayian-akhiaan-ras-bhariaan-punjabi-bhajan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |